

|                                 |    |
|---------------------------------|----|
| Adventní II. ....               | 5  |
| Ať se Ti koří celá země ....    | 5  |
| Ave crux * ....                 | 6  |
| Bože náš ....                   | 6  |
| Bud' vůle Tvá ....              | 6  |
| Budu kráčet ....                | 7  |
| Do stínu křídel Tvých * ....    | 7  |
| Ecce homo! ....                 | 8  |
| Effatha * ....                  | 8  |
| Eli, Eli! ....                  | 9  |
| Eucharistia ....                | 9  |
| Factus est Dominus ....         | 10 |
| Hle stojím u dveří a tluču .... | 10 |
| In hoc signo vinctes! ....      | 11 |
| Já Pane v Tobě ....             | 11 |
| Já to vím ....                  | 12 |
| Jehošua ....                    | 12 |
| Jezu * ....                     | 13 |
| Ježíši ukřižovaný * ....        | 13 |
| Job ....                        | 14 |
| Kde jsi? ....                   | 14 |
| Klečím ....                     | 15 |
| Má síla * ....                  | 15 |
| Má víra ....                    | 16 |
| Mé dlaně zvednuté * ....        | 16 |
| Modlitba Ježíšova ....          | 17 |
| Na oltář ....                   | 17 |
| Neseme Pane chléb a víno * .... | 18 |
| Netrapte se ....                | 18 |
| Oculi omnium ....               | 19 |
| Osvobod' nás pravdou ....       | 19 |
| Otevřme Písmo ....              | 20 |
| Pamatuj! ....                   | 20 |
| Pane, Ty víš všechno ....       | 21 |
| Počítej s tím * ....            | 22 |
| Pod Tvým křížem ....            | 23 |
| Pojďme ....                     | 23 |
| Pokání ....                     | 24 |
| Prope est Dominus ....          | 24 |
| Prosíme odpusť nám hříchy ....  | 25 |

|                                   |    |
|-----------------------------------|----|
| Přichází náš Pán .....            | 25 |
| Příjd', Bože Duchu Svatý .....    | 26 |
| Příjd', Pane Ježíši .....         | 26 |
| Přijímám .....                    | 27 |
| Přinášíme chléb .....             | 27 |
| Přízrak .....                     | 28 |
| Řekni Pánu *                      | 28 |
| Rabbuni .....                     | 29 |
| Slyším .....                      | 29 |
| Spiritus tuae caritatis .....     | 30 |
| Spiritus est, qui vivificat ..... | 30 |
| Svatá Maria .....                 | 31 |
| Tady a ted'! .....                | 31 |
| Tady u Tvých nohou .....          | 32 |
| Tajemství .....                   | 32 |
| Ty sám .....                      | 33 |
| Uslyším .....                     | 33 |
| Už jdou *                         | 34 |
| V Kristu Ježíši .....             | 35 |
| Všechny národy .....              | 36 |
| Vzkříšení a život .....           | 36 |
| Záře z Galileje .....             | 36 |
| Zamiluj si kříž .....             | 37 |
| Zpívej *                          | 37 |

### *Ordinarium*

|                       |    |
|-----------------------|----|
| Kyrie .....           | 38 |
| Gloria .....          | 38 |
| Credo .....           | 40 |
| Sanctus .....         | 42 |
| Mysterium fidei ..... | 42 |
| Otče náš .....        | 43 |
| Agnus Dei .....       | 44 |

\* Písně označené hvězdičkou vyšly na kazetě „JEZU“